महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालयः

देवासमार्गः, उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

दर्शन-सङ्काय
दर्शन-विभाग

आचार्य (अद्वैतवेदान्त)

Programme Code – AC – ADD

एकवार्षिक स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम
1-Year Post Graduate Examination Syllabus

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्चा रूपरेखा
(L.O.C.F)

2025-2026

अणुसङ्केतः – regpsvvmp@rediffmail.com // अन्तर्जालपूटम् - www.mpsvv.ac.in

परीक्षा पाठ्यक्रम नियमावली

1. पाठ्यक्रम का स्वरूप -

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक आचार्य.(अद्वैतवेदान्त) परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम दो सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैतवेदान्त) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना –

- द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैतवेदान्त) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना/प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना –

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीयाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयाः/टिप्पण्यात्मकाः	5	3	15
3	निबन्धात्मकाः/व्याख्यात्मकाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्			40
योगः				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसंख्या	अङ्क	योग

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1.	बहुविकल्पयीय	5	2	10
2.	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3.	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति -

द्विवार्षिक आचार्य (अद्वैत वेदान्त) परीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	**GRADE**	**GRADE POINT**	**DESCRIPTION**
> 90%	O	O	Outstanding
> 80%	A+	A+	Excellent
> 70%	A	A	Very Good
> 60%	B+	B+	Good
> 50%	B	B	Above Average
> 40%	C	C	Average
40%	P	P	Pass
< 40%	F	F	Fail
Ab	Ab	Ab	Absent

Equivalent Percentage- CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के ल क्रेडिट् (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट्) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें एटीकेटी प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित उपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. **उपलब्ध स्थान** – उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रतयेक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
7. **शुल्क** – छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।
8. **परीक्षा सञ्चालन एवं उपाधि की पात्रता** – प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एकवार्षिक आचार्य अद्वैतवेदान्त** की उपाधि प्रदान की जाएगी।
9. **अवधि** – अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम को अधिकतम दो वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।
10. **सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन** - छात्रों द्वारा प्रथम सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

11. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः	5		
		500	CC-33 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)	5		
		500	CC-34 अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	500	CC-41 शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिकाः च	5	VAC (CHM/ EEMC) (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-42 सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)	5		
		500	CC-43 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयचतुर्थाध्यायौ)	5		
		500	CC-44 अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)	5		
द्विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-31 शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-32 सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः	5		
		500	CC-33 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)	5		
		500	CC-34 अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)	5		
	द्वि	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	तीय सत्रार्द्ध		
		द्विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)	
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)	**22**
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)	**22**

12. पाट्यक्रम प्रकार

- मुख्य पाठ्यक्रम **(Core Course) CC-** किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।
- **मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC -** मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- **संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM-** ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।
- **रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill**

अध्यक्ष
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)
10.12.2025

Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

- **प्रशिक्षुता (Internship)-** इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

  कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

  i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप
  ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

- **शिक्षुता (Apprenticeship) -** शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।
- **सङ्गोष्ठी (Seminar)** – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य.अद्वैतवेदान्त

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Advaita-vedanta Syllabus

(Programme Code – AC-ADD)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम **Program : Degree Course**	**कक्षा (Class) :** **आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम** **Semester : I**	**सत्र (Session)** **: 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन			

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD - 31	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 31) शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्रों का उपनिषद्गत वैदिक ज्ञान होगा। ● अग्निविद्या विषयक आहुतिविद्याविषयक ज्ञान मिलेगा। ● छात्र कुशल उपदेष्टा कुशल वक्ता होंगे।	
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्	
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)** – पञ्चाग्निविद्याविमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)** – हवि तथा आहुति	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	विषयक विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	
03	**शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)** – सृष्टिप्रक्रिया **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)** – सदसद्विचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता छान्दोग्योपनिषत् (षष्ठाध्यायः)** – लौकिकोदाहरणानि **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. छान्दोग्योनिषद्। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचितम् उपनिषद्भाष्यम्। खण्डः २यः। श्रीमदानन्दगर्याचार्यकृतटीका। महेश-अनुसन्धान-संस्थानम्, वाराणसी

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समयः: **02:00 होरात्मकः**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम **Program : Degree Course**		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम** **Semester : 1**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD - 32		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 32) सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्राणाम् उपनिषद्गतवैदिकज्ञानं भविष्यति। ● अग्निविद्या आहुतिविद्याविषये ज्ञानं भविष्यति। ● छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारश्च भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः** – विधिविषये सलक्षणोदाहरण विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः** – ब्रह्म का जन्मादिलक्षण विचार	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	
03	**सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः** – जीवेश्वर लक्षण विचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः** – साक्षीविषयक तथा चैतन्य विषयक विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**सिद्धान्तलेशसंग्रहे प्रथमपरिच्छेदः** – अहङ्कारवृत्त्यादिगमनविचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. सिद्धान्तलेशसंग्रहः। लेखकः – श्रीमदप्पय्यदीक्षितः। श्रीमूलशङ्करव्यासकृतसटिप्पणभाषानुवादयुक्तः। अच्युतग्रन्थमाला-कार्यालयः, काशी।
2. सिद्धान्तलेशसंग्रहः। श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यकृष्णानन्दतीर्थविरचित-कृष्णालङ्कारव्याख्या। चौखम्बा संस्कृत सीरिज् अफिस, वाराणसी।

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60
समयः: **02:00 होरात्मक**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम **Program : Degree Course**		**कक्षा (Class) :** **आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम** **Semester : 1**	**सत्र (Session) :** **2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD 33		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 33) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्राणाम् उपनिषद्गतवैदिकज्ञानं भविष्यति। ● अग्निविद्या आहुतिविद्याविषये ज्ञानं भविष्यति। ● छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारश्च भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)** – स्मृतियों में स्वविरोध है इसीलिए पर ब्रह्मणा सह विरोध नहीं है।, ब्रह्म अन्य विषयों से भिन्न, ब्रह्म का विलक्षणत्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

02	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)** – प्रपञ्च का सत्यत्व नहीं है, ब्रह्म में सत्यत्व, एक ब्रह्म का ही अद्वितीयत्व **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)** – जीवात्मा का उत्क्रान्ति, ब्रह्मावगति से उत्क्रान्ति नहीं होता। **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)** – सांख्यों का मत निराकरण, ब्रह्म से उत्पत्तिप्रकार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः)** – जीवात्मा का अणुत्वखण्डन, इन्द्रियों का उत्पत्ति, इन्द्रियों से मुख्यप्राण का भिन्नता **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. छान्दोग्योनिषद्। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचितम् उपनिषद्भाष्यम्। खण्डः २यः। श्रीमदानन्दगर्याचार्यकृतटीका। महेश-अनुसन्धान-संस्थानम्, वाराणसी

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम **Program : Degree Course**		**कक्षा (Class) :** **आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : प्रथम** **Semester : 1**	**सत्र (Session)** **: 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO – ADD 34		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 34) अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्रों का द्वैतमिथ्यात्व विषयक परिष्कार ● जीविका के लिए छात्रों का कौशल विकास। ● छात्र कुशल उपदेष्टा और कुशल वक्ता होंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5

सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)

L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)** – विप्रतिपत्ति वाद विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)** – विप्रतिपत्ति जन्य संशय विचार	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	
03	**अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)** – पञ्चमिथ्यात्व विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)** – इतर आचार्यों का सिद्धान्त **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**अद्वैतसिद्धिः (मिथ्यात्वमिथ्यापर्यन्ता)** – मिथ्यात्व मिथ्यात्व वाद विमर्श **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. छान्दोग्योनिषद्। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचितम् उपनिषद्भाष्यम्। खण्डः २यः। श्रीमदानन्दगर्याचार्यकृतटीका। महेश-अनुसन्धान-संस्थानम्, वाराणसी

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100

सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40

विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60

समयः **02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित	पूर्णांक 40

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

एकवार्षिक आचार्य.अद्वैतवेदान्त

सत्रार्द्ध परीक्षा पाठ्यक्रम

Acharya Advaita-vedanta Syllabus

(Programme Code – AC-ADD)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-26

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवासमार्ग, उज्जैन (म.प्र.) 456010

दूरभाष- (0734) 2526044, दूरप्रैष- (0734) 2524845

अणुसङ्केत - regpsvvmp@rediffmail.com, **अन्तर्जालपुट**- www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम **Program : Degree Course**		**कक्षा (Class) :** **आचार्य एकवार्षिक** **(Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय** **Semester : II**	**सत्र (Session) :** **2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD 41		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC-41) शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्राणाम् उपनिषद्गतवैदिकज्ञानं भविष्यति। ● अग्निविद्या आहुतिविद्याविषये ज्ञानं भविष्यति। ● छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारश्च भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च** – ओंकारवाच्य ब्रह्मकी सर्वात्मकता, आत्माका चतुष्पाद वर्णन, प्राज्ञ का सर्वकारणत्व, एक ही आत्माके तीन भेद, तुरीय का स्वरूप एवं प्रभाव, प्राज्ञ से तुरीय का भेद, तुरीय का स्वप्न-निद्राशून्यत्व, प्रपञ्चका अत्यन्ताभाव, गुरु शिष्यादि विकल्प व्यावहारिक है।	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च** – स्वप्नदृष्ट पदार्थों का मिथ्यात्व, जाग्रद्दृश्य पदार्थों के मिथ्यात्व में हेतु, स्वप्न में मनः कल्पित और इन्द्रियग्राह्य दोनों ही प्रकार के पदार्थ मिथ्या है, जाग्रत् में भी दोनों प्रकारके पदार्थ मिथ्या हैं, पदार्थ कल्पना की विधि **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च** – भेददर्शी कृपण है, जीवके उत्पत्ति स्थिति एवं विलीन होने में दृष्टान्त, दृष्टान्त युक्त उत्पत्ति श्रितिकी व्यवस्था, आत्मा में भेद माया ही के कारण है, जीवोत्पत्ति सर्वथा असंगत है **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च** – अद्वैतदर्शन की वन्दना, द्वैतवादियों द्वारा प्रदर्शित अजाति का अनुमोदन, अजातवाद निरूपण, बाह्यार्थवाद निरूपण, विज्ञानवादका खण्डन, स्वप्न का मिथ्यात्वनिरूपण, **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**शाङ्करभाष्यसहिता माण्डूक्योपनिषत् माण्डूक्यकारिका च** – चित्तकी असङ्गता, व्यावहारिक वस्तु परमार्थतः नहीं होता, आत्मा अज है – यह कल्पना भी व्यावहारिक है, द्वैताभाव से जन्माभाव, विद्वान् की अभयपदप्राप्ति, ज्ञानीका नैष्कर्म्य, त्रिविध ज्ञेय, आत्मतत्त्वनिरूपण, आत्मज्ञ ही अकृपण है **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. माण्डूक्योपनिषत् कारिकासहिता। सानुवाद शाङ्करभाष्यसहित। गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यविरचितम् उपनिषद्भाष्यम्। खण्डः २यः। श्रीमदानन्दगर्याचार्यकृतटीका। महेश-अनुसन्धान-संस्थानम्, वाराणसी

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100

सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40

विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60

समय **02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**

Any remarks/ Suggestions :

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः			
कार्यक्रम : उपाधि पाट्यक्रम Program : Degree Course	**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन			

1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD 42	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 42) सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)	
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्र का अविद्यामोक्षादिविषये परिष्कार ● जीविका के लिए छात्रों का कौशल विकास होगा। ● छात्र कुशल उपदेष्टा कुशल वक्ता होंगे।	
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्	
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)** – अद्वैतश्रुतिनां प्रत्यक्षेण अबाध्यत्वम्, प्रत्यक्षादागमप्राबल्यम्, स्वाप्नपदार्थस्य अधिष्ठाननिरूपणम् **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

02	**सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)** – स्वाप्नपदार्थस्य अनुभवप्रकारः, जीवोपाधौ भेदविचारः, जीवस्याणुत्वनिराकरणविचारः **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)** – ज्ञानोत्पत्तौ कर्मोपयोगित्वविचारः, विद्यायां त्रैवर्णिकानामधिकारनिरूपणम्, सन्न्यासस्य विद्योपयोगित्वम् **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)** – श्रवणादौ क्षत्रियवैश्यानामधिकारः, विद्योपयोगियोगमार्गनिरूपणम्, ब्रह्मसाक्षात्कारे करणविचारः शब्दापरोक्षत्वविचारश्च, अज्ञाननिवर्तकनिरूपणम् **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**सिद्धान्तलेशसंग्रहः (द्वितीयतृतीयचतुर्थपरिच्छेदाः)** – अविद्यालेशनिरूपण्, अविद्यानिवृत्तिस्वरूपविचारः, मोक्षस्य स्वतःपुरुषार्थत्वविचारः, मोक्षस्य प्राप्यत्वाप्राप्यत्वविचारः, मुक्तस्वरूपविचारः **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. सिद्धान्तलेशसंग्रहः। लेखकः – श्रीमदप्पय्यदीक्षितः। श्रीमूलशङ्करव्यासकृतसटिप्पणभाषानुवादयुक्तः। अच्युतग्रन्थमाला-कार्यालयः, काशी।
2. सिद्धान्तलेशसंग्रहः। श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यकृष्णानन्दतीर्थविरचित-कृष्णालङ्कारव्याख्या। चौखम्बा संस्कृत सीरिज् अफिस, वाराणसी।

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

(Part D – Assessment and Evaluation)		
अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks)		100
सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE):		40
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE):		60
समय		**02:00 होरात्मक**
आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांक 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्काः-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO-ADD 43		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 43) ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्राणाम् उपनिषद्गतवैदिकज्ञानं भविष्यति। ● अग्निविद्या आहुतिविद्याविषये ज्ञानं भविष्यति। ● छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारश्च भवितुमर्हन्ति।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च)** – सूक्ष्मशरीरों का उत्क्रान्ति, जीवात्मा का उत्क्रान्ति मार्ग, जीवात्मा का स्थिति, ब्रह्मविद्या का एकतादिविचार, भोग, नास्तिकों का मतखण्डन	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	
02	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च) – आत्मज्ञान का स्वतन्त्रत्व न क्रत्वर्थत्व, ओकार का ध्येयत्व, औपनिषाख्यानानां विद्यास्तावकत्व, आत्मबोधक का कर्मानपेक्षत्व, विद्या का स्वोत्पत्ति में कर्मसापेक्षत्व, अनाश्रमियों का ज्ञानसंभावत्व, भ्रष्टोर्ध्वरेतसो का प्रायश्चित्तसद्भावत्व, सालोक्यमुक्त्यों का सातिशयत्व निर्वाणमुक्ति का निरतिशयत्व** **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	15
03	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च)** – श्रवणादीओं का आवर्तनीयत्व, प्रतीके अहंदृष्ट्यभाव, कर्माङ्गों में आदित्यादि दृष्टिओं का कर्तव्यत्व, उपासना में आसन का नियतत्व, ज्ञानियों का पापपुण्यलेप का अभाव, अधिकारियों का मुक्तिसद्भाव **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च)** – इन्द्रियों का इन्द्रियों में लय, भूतों का परमात्मा में लय, उपासकों का उत्क्रान्तिविशेषवत्त्व, दक्षिणायनमृतो का उपासक का ज्ञानफलप्राप्ति, अर्चिरादिको का ब्रह्मलोकमार्गों का एकत्व, उत्तरमार्ग से कार्यब्रह्म का गमन, प्रतीकोपासनकों का ब्रह्मलोकाप्रापण **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (तृतीयाध्यायः चतुर्थाध्यायश्च)** – मुक्तिरूप वस्तु का पुरातनत्व, मुक्त को ब्रह्म से अभिन्नत्व, मुक्त स्वरूपभूत ब्रह्म का युगपत्सविशेषत्वनिर्विशेषत्व प्रतिपादन, वस्तुयों का सृष्टि में मानससंकल्प हेतु **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15
कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :		
भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन **(Part C Learning Resources)**		
पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री- 1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीशङ्कराचार्यः। श्रीगोविन्दानन्दकृतभाष्यरत्नप्रभाव्याख्या,		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

वाचस्पतिमिश्रकृतभामतीव्याख्या, आनन्दगिरिप्रणीतन्यायनिर्णयव्याख्या। निर्णयसागरमुद्रणालयः, मुम्बाई।

2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्। श्रीङ्कराचार्यः। भामती-ऋजुप्रकाशिका-भाष्यभावप्रकाशिका-प्रदीप-ऋजुविवरण-तत्त्वजीपन-वार्त्तिक-पञ्चपादिका-पञ्चपादिकाविवरण-श्रीकण्ठभाष्य-शिवार्कमणिदीपिकाख्यैकादशटीकासंयुतम्। सम्पादकः – प्रो. योगेश्वरदत्तशर्मा। नाग प्रकाशकः, ११ ए, यू. ए, जवाहर नगर, दिल्ली

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः

(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100

सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40

विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60

समय **02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	पूर्णांकः 40
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भागः-अ परिचयः				
कार्यक्रम : उपाधि पाठ्यक्रम Program : Degree Course		**कक्षा (Class) : आचार्य एकवार्षिक (Acharya 1 year)**	**सत्रार्ध : द्वितीय Semester : II**	**सत्र (Session) : 2025-26**
विषय (Subject) : अद्वैतवेदान्त दर्शन				
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGO- ADD 44		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(CC 44) अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) (Core Course/ Discipline Specific Elective/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/…)	मुख्यविषयः(Core Course)		
4	पूर्वापेक्षा (**Pre-requisite**) **(If any)**	महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के शास्त्री चतुर्थ वर्ष परीक्षा उत्तीर्णता		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ **(Course Learning Outcomes (CLO)**	● छात्रों का मिथ्यात्वानुमानविषयक व्युत्पत्ति होगा। ● जीविका के लिए छात्रो का कौशल विकास। ● छात्र कुशल उपदेष्टा कुशल वक्ता यथार्थज्ञानी होंगे।		
6	क्रेडिट् मान (Credit Value)	5 क्रेडिट्		
7	पूर्णाङ्क (Total Marks)	Max. Marks : 40 + 60	Min. Passing Marks : 35	

भागः-ब्, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु
Part B – Content of the Course

व्याख्यान की सम्पूर्ण संख्या (प्रतिसप्ताहं पाँच कालांश)
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) : 5
सम्पूर्ण व्याख्यान कालः पचहत्तर घण्टे (75 hours)
L-T-P: 5-0-0

इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	अङ्काः क्रेडिट्-मानम्
01	**अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)**– दृश्यत्वहेतु विचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, मुख्यार्थपरिष्कार, अर्थावबोध	15
02	**अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)**– जडत्वहेतुविचार	15

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	गतिविधियाँ - पठन-पाठन, अर्थपरिष्कार, अर्थावबोध, लेखनाभ्यास	
03	**अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)**– परिच्छिन्नत्वहेतुविचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थ प्रकाश, लेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ	15
04	**अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)**– अंशित्वहेतुविचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, लघु उत्तरलेखनाभ्यास, शास्त्रार्थ कौशल शिक्षा	15
05	**अद्वैतसिद्धिः (सोपाधिकत्वनिरासपर्यन्ता)**– दृश्यत्व का सोपाधिकत्व हेतु विचार **गतिविधियाँ** - पठन-पाठन, पङ्क्त्यर्थप्रकाश, दीर्घोत्तर लेखनाभ्यास, चार्ट निर्माण, शास्त्रार्थकौशल शिक्षा	15

कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) :

भागः स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन
(Part C Learning Resources)

पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. अद्वैतसिद्धिः। लेखकः – श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यश्रीस्वामिमधुसूदनसरस्वती। स्वामी श्री विशुद्धानन्दगिरिप्रणीत-कैलासविद्याप्रकाशिका एवं सत्यानन्दप्रबोधिका हिन्दी टीका सहित। सम्पादकः प्रकाशकः स्वामिविशुद्धानन्दगिरिः। श्रीदक्षिणामूर्तिप्रकाशन।

Suggestive digital platforms/web links

अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाईन-पाठ्यक्रम (Suggested equivalent online courses:)

1. https://advaitasharada.sringeri.net/
2. https://nsktu.ac.in/
3. https://swayam.gov.in/

भागः- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधिः
(Part D – Assessment and Evaluation)

अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी।

पूर्णाङ्क (Maximum Marks) 100

सतत-व्यापक मूल्याङ्कनाङ्क (Continuous Comprehensive Evaluation) (CCE): 40

विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (University Exam) (UE): 60

समयः: **02:00 होरात्मक**

आन्तरिकमूल्यांकनम् (Internal	कक्षा परीक्षण : प्रस्तुतिकरण/लिखित	पूर्णांक 40

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Assessment) : सतत व्यापक मूल्यांकन (Continuous Comprehensive Evalutation) (CCE):	परीक्षा/साक्षात्कार विधि/ वाग्व्यवहार विधि (Class Test/Assignment/Presentation)	
बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) **: 03:00** विश्वविद्यालयीय परीक्षा (University Exam Section) समय : (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पॉच बहुविकल्पीय प्रश्न Section (A) : 5 Very Short Questions	5×1
	अनुभाग ब – पॉच लघूत्तरीय प्रश्न Section (B) : 5 Short Questions प्रत्येक दो सौ शब्द (200 Words)	5×3
	अनुभाग स – पॉच दीर्घोत्तरीय प्रश्न Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पॉच सौ शब्द (500 words)	5×8 पूर्णाङ्क-60
	सम्पूर्णाङ्क	**100**
Any remarks/ Suggestions :		

अध्यक्ष 10.12.2025
दर्शन विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)